

**पंडित डी० एन० सिबारी :** जो सिफारिशें ऐंस्टीमेट्स कमेटी देती है और उन में से गवर्नमेंट जिन को स्वीकार नहीं करती है तो क्या वे सिफारिशें फिर उस कमेटी के पास विचार के लिये आती हैं और उस के बाद जो पुनः गवर्नमेंट के पास जाती हैं, क्या उन पर अमल किया जाता है ?

**श्री ए० पी० जैन :** जो सिफारिशें ऐंस्टीमेट्स कमेटी करती है उन में से जो गवर्नमेंट मंजूर करती है उन पर तो मिनिस्टरी अमल कर लेती है और जो किसी वजह से मंजूर नहीं हो सकतीं उन को वह मिनिस्टरी अपनी वजूहात के साथ ऐंस्टीमेट्स कमेटी के पास भेज देती है और ऐंस्टीमेट्स कमेटी की जो राय हो उस के साथ में वह फिर सभा के पटल पर रख दी जाती है ।

#### Railway Bridges

\*2079. **Shri L. N. Mishra :** Will the Minister of Railways be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Railway bridges on Darbhanga-Nirmali and Sakri-Jayanagar Section of the North Eastern Railway are proposed to be raised and expanded to meet the situation created by floods;

(b) if so, the bridges that are to be raised and expanded;

(c) the estimated cost of each bridge; and

(d) when the proposal will be given effect to?

**The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan) :** (a) Yes, Sir.

(b) and (c). Bridges Nos. 143 and 145 between Ghogardiha and Nirmali Stations at an estimated cost of Rs. 31,500/- and 36,300/- respectively and bridges Nos. 10, 10A, 11, 11A and 12 between Madhubani and Rajnagar stations at an estimated cost of Rs. 6,000/-, 3,000/-, 3,000/-, 2,60,000/- and 1,000/- respectively.

(d) The work of raising the section Nirmali-Ghogardiha is in progress and the proposal for raising the Madhubani-Rajnagar section is being examined.

**Shri L. N. Mishra :** Are Government aware that there are various other smaller bridges which during floods are covered

by water, with the result that the railway lines are inundated and railway communication is suspended, and if so, do Government propose to raise those bridges also?

**Shri Alagesan :** Yes. All the bridges on this entire line as well as the other bridges mentioned (where necessary) will be raised with a view to preventing flood water from passing over the line. All these works will be undertaken, and we shall have an all-weather line.

**Shri L. N. Mishra :** May I know whether there is any proposal to increase the height of the work on the whole railway line from Darbhanga to Nirmali in order to make them fit in with the newly constructed Kosi embankment.

**Shri Alagesan :** Wherever necessary, the line is raised; the embankment is raised.

**Shri S. N. Das :** May I know whether any investigations are being made with regard to the other sections in the flood affected areas, and if so, what is the agency which is working in that behalf?

**Shri Alagesan :** Naturally, the railways but I should like to have notice with reference to the other sections.

#### बोरी साफ करने की मशीन

\*२०८०. **श्री के० सी० सोषिया :** क्या संचार मंत्री २४ अगस्त, १९५५ को दिये गये तारांकित प्रश्न संख्या १११७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कलकत्ता में बोरी साफ करने की जो मशीन लगाई जा रही है, उस की लागत क्या है ; और

(ख) इस मशीन के काम करने से कितने समय और धन की बचत होने की सम्भावना है ?

**संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) :**  
(क) ५५,७०६ रुपये ।

(ख) इस मशीन के प्रयोग में लाने से तात्कालिक किसी प्राथिक बचत की संभावना नहीं है ; परन्तु इस से समय में बचत होगी, क्योंकि हाथ की प्रपेक्षा मशीन से धूलों की सफाई कहीं जल्दी हो सकती है । साथ ही

मशीन से धूलों की सफाई पहले की अपेक्षा अधिक प्रच्युती हो सकेगी, एवं इस प्रकार से काम करने वालों के स्वास्थ्य-सम्बन्धी वातावरण में भी सुधार हो सकेगा ।

श्री के० सी० सोबिया : क्या यह कार्रवाई और दूसरे पोस्ट आफिसों में भी काम में लाई जायगी ?

श्री राज बहादुर : पोस्ट आफिसों में जो धूले इस्तेमाल किये जाते हैं वह जूट के होते हैं और वह धाने जाने में काफी गंदे हो जाते हैं और मशीन से धूलों की जल्दी सफाई हो सकती है ।

श्री के० सी० सोबिया : मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह कार्रवाई दूसरे पोस्ट आफिसों में भी काम में लाई जायगी ?

श्री राज बहादुर बम्बई वगैरह में जहाँ डाक के धूले आते हैं वह सारे जमाने से घूम कर कलकत्ते में पहुँचते हैं और कलकत्ते में उन की सफाई होगी और सारे देश को उस से फायदा पहुँच सकता है ।

#### Discretionary Grant

\*2081. Dr. Satyawadi : Will the Minister of Health be pleased to lay on the Table of the House a statement showing the details of the expenditure from her "Discretionary Grants" incurred during 1954-55?

The Deputy Minister of Health (Shrimati Chandrasekhar) : A statement is laid on the Table of the Lok Sabha. [See Appendix X, annexure No. 47].

डा० सत्यबाबी : क्या मैं जान सकता हूँ कि पिछले साल इस फंड में से कितना रुपया मंजूर किया गया था और इस साल कितना रुपया रखा गया है ?

Shrimati Chandrasekhar : For 1954-55 there was a provision of Rs. 3 lakhs, and for 1955-56 there is a provision of Rs. 5 lakhs.

डा० सत्यबाबी : क्या मैं जान सकता हूँ कि सहायता के लिये कोई ऐसी दरखास्त भी है जोकि नामंजूर की गई है, अगर है, तो कितनी है ?

311 L.S.D.—2

Mr. Speaker: His question is how many requests were rejected.

The Minister of Health (Rajkumari Amrit Kaur) : It is impossible to say how many were rejected. But if they are rejected, it is because the institutions are not functioning properly after the information has been sought to be obtained about them.

श्री नवल प्रभाकर : क्या मैं जान सकता हूँ कि दिल्ली के संत परमानन्द आई अस्पताल को प्रति वर्ष कितना अनुदान दिया जाता था और क्या वह इस बार भी दिया गया है, यदि दिया गया है तो कितना और यदि नहीं दिया गया है तो क्यों नहीं दिया गया है ?

राजकुमारी अमृत कौर : इस अस्पताल को कई बार अनुदान दिया गया है । लेकिन इस फंड में एक कंडिशन है कि हर साल किसी को भी हम नहीं दे सकते हैं, इसलिये कभी कभी न भी करनी पड़ती है ।

डा० सत्यबाबी : यह जो टी० १० अस्पताल और मेनाटोरियम हैं जिन्हें आप सहायता देते हैं, क्या आप ने इस बात पर भी विचार किया है कि वहाँ हरिजनों और आदिवासियों के लिये कुछ बेड अलहदा रख दिये जाय ?

राजकुमारी अमृत कौर : मेरे पास कोई खास दरखास्त नहीं आई है कि हरिजनों के लिये कोई विशेष पलंग रखे जाय । अगर प्रायगी तो उस पर जरूर विचार किया जायेगा ।

#### प्राकीशियल यात्रा संगठन का सम्मेलन

\*२०८४. श्री भक्त बर्षान : क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में १७ अक्टूबर, १९५५ को होने वाले प्राकीशियल यात्रा संगठन के अन्तर्राष्ट्रीय संघ के सम्मेलन का उद्देश्य क्या है; और